

DPN 6555

१. विपरित कथा २. चण्डमहारोषण समाधि

Title : 1. VIPARITA KATHA
2. CANDAMAHA ROṢAṆA SAMĀDHI

Run. No. 7280

Cat. No.

Micro. No.

Subject Buddhist Ritual

Religion : Hindu / Bauddha ✓

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. ✓ - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19 x 8.3

Folios 22 Lines (in a page) 7/8

Compl. / Incompl. ✓

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. ✓ / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu ✓ /

Condition : fine ✓ / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

△ ॐ नमो रत्न त्रयाय ॥ ॥ त्रिमि । क्षामि विपरित कथा ॥ ॥

P. T. O.

△ शुशुकारे प्रवक्षामि विपरि (री) त परिहृक्षरा ॥ ॥ गालिन्दिरां भूमिस
ओले धोहन उयेओ, २ व विपरित, शिव मायान ओओ ॥

□ इति विपरित हृक्षरा शान्ति स्वास्ति कथा संपूर्णमिति ॥ ॥

△ २. चण्ड महारोषरा समाधि

ॐ नमः श्रीचण्ड महारोषरा आज्ञा ॥ ॥ ॐ चण्ड महारोषरा सर्व माया
दर्शक सर्व माया निर्देशय निविद्यु हूँ फट् ॥

१. कम्प (प) रीक्षा

२. छगू जन्म

३. वशीकरण मन्त्र

४. गरुड माला मन्त्र

५. दश धातु.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमः श्रीवल्लभमहाप्राप्तग्राहा ॥ ॥ ॐ वल्लभमहाप्राप्तग्राह सर्वमायादर्श
 के सर्वमाया निदं भयनिविष्टं रुद्र ॥ धनजाययास्यं ध्यावन्नयनमस्काव
 यास्यं समस्तयाय ॥ ॐ ह्रीं श्रीरुद्रगवतं कृष्णवर्णं सिद्धिं देहि मे रुद्र ॥ कृष्ण
 धात्रये लयं वननिस्यं सिद्धिरुये ॥ ॥ रावयन् विन्वेय प्रसूतं स्वप्नया
 धनं ॥ रुद्रो ॥ नयावालिं गिरं ध्याया ॥ इषवजास्यं नयनं ॥ खश्राव्यं कर्णं स
 यं वामपाशं समन्वितां ॥ गुरुं यो गुरुं यत्नं वदन्ता ॥ ह्रीं यो ॥ ॐ नमः ॥ स
 यदं सव्यं वदुमा नविमर्दनं ॥ मा भूमा लुजानूकं कं कं नाकं रुयानकं ॥
 वसुधा नर्जायकं व. वामजानूय निसिगा ॥ मृगा सके नमा लीगनी सवली

किनीटिनी ॥ यैववी नकुमारीव. सर्वा लंकन रुषिनी ॥ द्वि नष्टवर्णा कानं नकु
 वरुक्षयै विहं ॥ रावयन् विन्वेय प्रसूतं स्वप्नया
 हात्रा घली रावयन् ॥ ॥ पूष्यं न्यास ॥ ॐ श्रीवल्लभमहाप्राप्तग्राह सर्वमायादर्श
 नं स हि नं ग्राह रुद्रं वं ॥ ॐ मलु संधिस्तनं नकु रुद्रं रुद्रं स्वाहा ॥ ॐ रु
 द्राव नवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं स्वाहा ॥ ॐ स्वावा नवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं
 ॥ ॐ पीतावनवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ नक्रावनवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ
 ममावनवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ द्विषवजीवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ मा
 रुवजीवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ पितुनवजीवज पूष्यं प्रणिच्छ रुद्रं रुद्रं ॥ ॐ

15
 10
 व्यावर्जीवजपूष्यस्यतिष्ठरुद्र॥ ॥ पूष्यधूपं तथादीयं गन्धने व्ययमवव ॥
 पूजायैव पहारैल कुर्यात्सुखं सवही ॥ धनं गोपयाया वलिविया ॥ अं वं मु महा
 नाघलभ्रागकुगकुद्रं दं वलिगु ॥ सिद्धिं दहि रुद्रं ॥ धनं सा सुयाय ॥
 म्रवनिनिहिगवामज्ञानसव्यहरे वखरु सुदिनवक लमूरे नरु निभकि या
 म॥ निर्विघ्नघनभवी नववत्तु नववत्तु ॥ समयं कुरु वविष्टं विष्टं हतां वनाथी
 ॥ ॥ अथ खरु साधनमाह ॥ खरु यैव गव्यं न सिद्धं ना ना गन्धनं वपनया
 हनहाजालमाहा खरु कास्यं गो कयाई निशं क्रि न सा धालत पल्यं धकवव

5
 वडादगकुरु चक्रिजय ॥ पुक्ति सिद्धं पूजायाय ॥ धमन सिद्धि रुद्रा ॥ अं वं मु
 महा नाघलभ्रागकु ॥ खरु सिद्धं रुद्रं ॥ समरु साधनयाय ॥ धरु रुद्रा ॥
 रुद्रं नम्रादिनदयक लून रुद्रा ॥ गन्धर्वम्रादिनदयक यनैदयक ॥ गनूदयक
 कुमिसया वान रुद्रा ॥ देवादिदयक दवदा नू रुद्रा ॥ नाकसादिदयक मम
 नयाने सिन रुद्रा ॥ खालनदयक धन रुद्रा ॥ मनुकदवक मदन रुद्रा सिन
 रुद्रा ॥ गलपतिदयक दकन रुद्रा ॥ साखागसिनदयक पिभव रुद्रा ॥ धा
 नलदयक गोवी वीवी धायाजकि नी रुद्रा ॥ नामकामदवदयक मनुक
 याकावन रुद्रा ॥ वासुकिम्रादिनदयक नू यखान सिं रुद्रा ॥ हानगीम्रा

दिनद्वयक मन्त्रयसिनरुला॥ श्रीदेवीमादिनद्वयक मन्त्रयसिनरुला॥ नागा
 दिद्वयकदवदारुसिनरुला॥ धनमनुनसाधनयायवक्रया॥ ॥
 भंवतुमहात्राखनमोगदुश्ममूर्कमसाधयकुरुद॥ गुरुलिद्वयकया
 नामरुला॥ अउलिनामकायरुला॥ सर्वयार्थनासर्वनिमधुनगठानया
 पनाभयाय॥ नकरमाधनगठानसर्वरुयनाभरुया॥ अकिनीयारुयअअ
 वनमजेकाज्ञकास्वागमास॥ धान१०६ रुयनयेवकुर्दिगयनिहोव॥ सर्व
 अकिनीनीगाठय२ धनगठानहाव॥ अकिनीअयमद्युनविस्मयनिअ
 वानात्मीनकरधनगठानवाल्कयामाउसपूया॥ वानकयानकरुला॥

५

दवद्वयकमवटयधनगठानममननरुसमजयलयीवक्रयानामकायाअअ
 नसहोनेअअउअठरुया॥ म्मूकस्यम्मूकनागनाभयाधनगठानक्रा
 भखायायानगासनागभकिरुया॥ देवद्वयविषयनाभयधनगठानथ
 कसपूवउसनायरुला॥ ॥ वभीकनराजनिमावायाअवामज्ञानून
 नलीज्ञापयायाम्मूकमवसमानयधनगठानयायवस्यरुया॥ ॥ पूरि
 मकरधनगठानगापयायधनधान्यमूनरुया॥ ॥ सर्वकलीतमयधनग
 ठानवायाअवकावियकलरुसहया॥ ॥ रुवधनमनसिरगभवाव
 नग्गाठाथूसगस्यमाहानिरुयधनमूगलनद्वलनिय॥ लोकानीवक्र

५
 ५
 ५
 ५

मूर्खवन्धरधनगठानयवर्षेभनमवनमखन्पू॥ ॥सर्ववागवृष्टिस्तुष्टय
 धनगठानभाकाभमभाधनसास्यपुयस्वरुसमअयक॥ ॥प्रथममा
 लामकुनकनकिरुससवास्यहाकूकानहिस्थकाखायकसमसूकलनाम
 इयू॥ ॥रुनियमालामकुनभागतज्ञाकास्यसाधनयाठनरिठवला
 सनकखगुलिकार्ययातअगुलिसिद्धिइयू॥ ॥अंभोहनीभूमकिवे
 भ्रायानुहुहुहु॥धमकुलगातुलरुगवायोअखडा ११११११ लाहागन
 भाकयूस्यताययाय॥वस्यइयू कुनरुकाकसभानरुप्रयपूनेषहान
 निव्याधिनवमइयू॥सखरुपलयहिइयू॥असमरुययनियसर्वरुनवस्य

अक्षर

इयू॥वि.रुयलयनकवस्यइयू॥सायासनखिधानदलकोखायसाइयू।सुः
 र्यस्वयाअज्ञाययायवभ्रयानामकायाअपिअ॥वभ्ररयासनखिधाननेला
 अकखायअभ्रअभ्रयानूयइयू॥ ॥काखयासनखिधानदलाअकाखा
 लसाकाकइयूषिवालूथयअभ्रवस्यइयू॥दभ्रकनेदयकावेकनरुययानि
 सधयमवाननानेवयकशला॥द्यावसधनलाय।यकाविनकयमेशखासवा
 कूसीगस्यभानलिथप्रिरुलोवृथुकाथदास्यभानकक्रीमिनासइयू॥ ॥
 कठकोहाअसिउलिस्यधुविकनखडनभलकसिमाकी॥भ्रकाअयाक्रिय
 नवृत्तयाठनप्रकाविकनससिगथलस.कसकूरिरुअगस्यवृहगसिग

सव्यमव्यमरुयुडा ॥ ॥ मूलनूहासाधननस्य कयालमयाहमाउम्यकना
 भा ॥ ॥ धर्मबालमयावासावावा. संधूडाक्रमसथहनेक्रसस्याकनाभा ॥
 कडुक. मियलिसत्रलिवहा. धमयिताउसथनहमाहानिरुस्यमिखावलन
 वरुनागनाभा ॥ ॥ धिपिसि. कलिसदिस्यवलहमिखास्याकनास ॥ ॥
 मृगगनिसिडुनि. धलरुनियोनिक्राससथहनेक्रासिडुअजयामअयका ॥ ॥
 इचनयाहायवाकयानिअ. माहनमृडुनेहिअजयानास ॥ ॥ उजयाहाअ
 नकाह नस्यअयाकीसनाभरुयु ॥ ॥ यालजिस. विक्राकलखसस्यभा
 हन. मिहीनयालाअ ॥ नअसागन. साधनमाहनलोअ ॥ ॥ सडुयानिह

5

ललितानस्यराय. व्याकया. खिवाहठाकयानाव ॥ ॥ भूथिअवाकूअनस्य
 समस्यलभानाभा ॥ ॥ अंक्रालाकलालवदन्य. हस२हलोहलवजसुनय
 रसर्वमद्यवागदृष्टिस्फु२स्फुटय२य४य४सर्वयोनियै. भमय२रुह
 ॥ ॥ धमकुलगाययास्य. आधनआका. मसास्यपूय. वारुसमदयिव ॥ ॥
 अंसर्वविद्याधियतय. पनरुगुगुनासनसर्वजकिनीनागाभय२मुखव
 वध२कीलय२रुह ॥ ॥ गलअनवलसर्वाजीसपनयअनसर्वरुयनास ॥ ॥
 ॥ ॥ अंहिलि२रु४वलुमहाभाखरुह ॥ ॥ धमकुनलमवाहवाकस्य. क्रसधाव
 प्रनय. वियागहन. विविसजनि ॥ ॥ ॥ अंममा२वलुमहाभाखनरुह ॥ ॥ ध

90

काद
 येव
 धाम

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

नडथहाविसडा निडा ॥ ॥ वड्मा २ धनडथहाव किसिविसकृच्छाय ॥ गान
मा २ धनेगने गयजमसवियके ॥ ॥ अंजीयेदकनाथवडमहानाखनरू
रुद ॥ धमनुनडाया धनेकासकन विखिवाविसडान्यडा ॥ ॥ अंजमाक
जीजी ४ रू रू रुद रुद गानय २ वडुप्रवपु रू रुद ॥ धमनुनडथथानकास्य
कन मसवियके मनु ॥ ॥ आधनसी आधनेरुदनायरू रुद ॥ धान १०८ ल
खजयलयमानक स्याकसिकया नाडा ॥ ॥ अंसीगाननमाहनायरू रुद ॥
धमनुयेनयवमयासमपिष्ठियनकाश्रय ॥ ॥ अंक्षमलक्षवकजमम
कंमूनवक्षय अंवलुमहानाखनरू रुद ॥ मामंणीलसखिना स्याकथास

[illegible]

यासा ॥ अं वीमलु मृजित मय नाजित श्री १२ न कर स्वाहा ॥ धमनु हा रु गु ठि हा य स रु य न र्य
 धा न य न र्य ध य उ प्य दि ग र्ग न न च य व ५ धमनु हा थ व क न र्य ॥ अं रु नि रु रु नि मा
 रु नि सर्व इ स्रु प्र स म नि स्वाहा ॥ धन य न या डी न र वू या रु य स म रु रु य नो स रु य ॥ ॥
 का ० म गु अ या सा हा न रु नि धा वि वि वा हा अ का य मा स य व ५ व द ध न यो सि स्वा न रु
 व र व सा हा ध न रा हा धि का य व स इ थ न पि ता उ ह ले न म न द्या य स क लं प्या र्व इ य
 ॥ ॥ अं का क रु रु नि व ध नि द व द र्द का क न रु का य य स्वाहा ॥ धमनु हा मृ य रु न क
 स्वा य नृ ग स स हि का या डी अ या या या व न वा या अ य व यो वि द्या स थू हा डी न य व य
 का र्व हा य ॥ मि स्वा स या हा वा क व न र्थ नि द्रा द न क ॥ ॥ पू य न रु य रु रु

१३

का य सा हा न स व य ना य व उ सिया हा मू उ स न य ध ना न या डी रु नि ना न उ रु व सा
 या डी म व न या हा स रु ल घा व म रु डी क डी न ॥ ॥ अ ध नि धा या डी ध धि म या न ल
 स ग र्थ रु स यि य मि ल म यू क ॥ मा ला म रु धा ॥ अं ऊं डी हां व लु नृ प व ठ २ व ठ २ क
 रु २ प्र रु ल २ य रु न य २ रु व २ य स २ व च २ रु रु य २ रु रु य २ मा रु य २ सर्व स रु ली म
 ख व च नै क नृ २ सर्व रु कि नी नी य रु रु पि न व व्या धि य रु ली रा म य २ म न २ मा न
 य २ नृ व लु नृ व रु २ व रु २ व रु २ मा हा स न सर्वा हा य य नि अं व लु मा हा वा म ल रु रु
 ॥ ॥ द्वि ति य मा ला म रु ॥ अं न म ४ स र्वा सा य नि यू न क ल ४ स र्वा ग थ ग न ल ४ स र्वा
 धा मृ व लं का ल न न रु २ मा रु २ म रु २ न रु २ नि रु २ मृ वि न २ मृ म हा म रु वा न धू न

१४

15

10

5

निनिश्वाहरविष्णोन्मानरइष्टरुक्मरुदवदहंकनूरकिनिरमहाविषभवजहंरुंरुं३डिव
लिन, लीगानवहंकरुमृवलवटसूटसूटयहं२मृसमनिकताटमहावलसाधय, समा
नयजामांहांगुह्यकुलीकमुच्युवजीनिभासुप्रगिरतयल्यहालयपाइमृसहनम४
साहा॥ ॥रुगिमालोमन्॥नम४सर्वासाधनियूनकस्य४सर्वथायाइ॥मृमोघवलु
महाभाषलसूटय, हंमय२हं३हंमांहंरुंरुं३साहा॥ ॥ओंओंमृहोगलस्य
वाय, महाविष्णुनिवायलस्य, सूटय२मृकालमृत्पहनरवजहलनाच्छिरेयवमृह
रुन, रिंधि२मृहा२महागलधियगिभृगच्छगच्छ, नूडान्नमहयस्वाहा॥ओंगंगीमु
१गंग४ओंओंक्रोंगंओंनम४सर्वविष्ठाधियायसर्वार्थसिद्धिदाय, सर्वइष्टवप्रसम

नाय ॥ अहिरावन्खादय ॥ गंगां नमः स्वाहा ॥ कंकी ॥ ॥ ओं सिद्धिविनाय
क ॥ अहिरावन्खादय ॥ गंगां नमः स्वाहा ॥ ॥ ओं सिद्धिविनाय ॥

२ क्लीं जूं क्लीं क्लीं क्लीं क्लीं नैऋतं ॥ २ ॥

गा	सा	व	रु	न	र्यव्यासकानुशले, पौरुषगसीमावहावना॥ ॥ रुद्रुदशः क्रियः
कू	खिवा	घान	उ	ऊ	विनय, रुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः
द	किसि	क	उ	ऊ	रुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः
ह	सल	जि	क	उ	रुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः
न	मनू	वि	रु	न	रुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः, सयानीसइ, विकरुद्रुदशः क्रियः

सि सूर्यनाडी, पींगला, सीहानस्वयं॥ ॥ इकावासत्तवर्जं व उकावागमस्वगात्मका॥
 मूर्ध्नुलननाथेव, विदेनामीनयकं, नादाभाघसिद्धिं व, इत्यावृत्तात्मयवर्कं॥ ॥
 रुमीस्वरावः॥ गिकावायुस्वरावः॥ मूलमाकाभस्वरावः॥ कषायः॥ इत्यनस्वरावः॥
 नीखच्छुथरुलयदीगियावर्गः॥ नलगायः॥ इडगजउवलस॥ उष्वगर्गमीथोः॥
 मिताहस्यानुनेयमहधरुहयार्विडुर्धमाघसिद्धिं स्याजोमीमू॥ इत्यनमवर्गः॥
 इकायस्य, पर्वम॥ ॥ १२ मूमाघसिद्धिनादयः॥ मूमागुविनूय, वल्लसं
 रुवत्रघातूयः॥ वेनावनजमावतूयः॥ मूमागुउकावतूयः॥ कविदनाहिनूयाः॥
 दपृथिनूयः॥ ॥ वरुधउ॥ ला॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

४६ सिद्धा कायधनुः कदाकागंधधनुः उभयगं॥ वसधनुः नैतुस॥ स्वर्गधनुः ८६ रुद्रसा॥
 यधनुः वनगि। मनधनुः १० वायु॥ ॥ ॐ तिदधधनुः ४॥ ॥
 अंनमः धीवजसत्वाय॥ नयथा॥ सिद्धकवीनगा॥ अंधर्मधनुः वागीश्वरमूल्याहति॥
 सधर्मान् धर्मधनुः॥ सहावमूयाय॥ धीसहजगन्नायक॥ धर्मधनुः समवने॥ ॐ ति॥
 नूयगाः अनवजस्वरात्मकाहं॥ नूयना सर्वधर्मात् धर्मधनुः निसृज्यते॥ धर्मधनुः
 वाधर्मात् सुखवपुतिव्रीरुति॥ रुथग्रीसमाज॥ अंधर्मधनुः वजस्वरावात्मकाहं॥ ॐ ति॥
 धर्मनाया सर्वगथागनाः प्रीतिव्यति॥ मूथगा धर्मधनुः निसृज्यते॥ समुद्रानेधर्म
 धनुः प्रकाशिता मूथवयमूवायन॥ धर्मधनुः निति वतुनाकनी सर्वगथागनकूल

स्कंधनादि दधयानिमिताप्रवरा॥ ॐ तिधर्मकाया॥ ध॥ ॐ तिधर्मकाया॥ र्म॥ ॐ तिनिर्मा
 र्गकाया॥ ध॥ ॐ तिसम्रागकाया॥ ३॥ ॐ तिमहासुखकोय॥ स्वाराविककायेध॥ उव
 भववक्रभयनधर्मधनुः ध॥ ध॥ ॐ तिमेजी॥ र्म॥ कनूला॥ ध॥ ॐ तिमूदिना॥ ३॥ ॐ
 ति॥ ३॥ ॐ ति वतुसृष्टप्रसूननादिधाध॥ मूथवाधर्मधनुः प्रकृतिपुत्रा॥ निलासमनी
 धनुः ॐ तिउयाया॥ महानूलास्वरावा॥ नया समनसीहावा॥ सतिधर्मधनुः निसृज्यते॥ य
 दाभूयगा कनूलातिनूलाहि धर्मधनुः शोवस्या॥ आरुतिनारुतिमनला॥ ॐ सो॥ नहि
 वृद्धिधर्म॥ ॐ तिमहावस॥ ४॥ अनवक्रिससायसाध॥ ॐ ति॥ ॥ र्म॥ ॐ तिवा॥ ध॥ ॐ तिमे॥
 ३॥ ॐ तिया॥ ध॥ ॐ तिकर्ममूडा॥ र्म॥ ॐ तिसमयमूडा॥ ध॥ ॐ तिधर्ममूडा॥ ३॥ ॐ तिमहामू

श्रीधरं तिलावना। मन्त्रं निममाकि॥ धनं निपातुला। उन्त्रं निताला॥ धनं निपुथि। म
न्त्रं निरुले॥ धनं निवकि॥ उन्त्रं निपवन॥ नपासामवनायका॥ वरुसलवृपातुलाया
मन्त्राख्यानमे॥ रुगवनवाधिविरुधमधुनिपुथयन॥ ॥ नकारं शुक्रमि
ननकसंरुकी। नयोयथामीलेनव॥ नन्वयतेग्रीउयन॥ ॥ मथवाशुक्रम
॥ नकारं शुक्रमिपुक्रमेकाननकारं संरुकी। धयमंक्रमसंया
नकारं वरुसलवृपातुला॥ ॥ ॥

१. काश्यावर्णः	२. सिंधुनसमं	३. सूर्यवर्णः	४. नीलकण्ठवर्णः
५. हिमवर्णः	६. योगसमं	७. धूमवर्णः	८. गवर्णः
९. सोमवर्णः	१०. सूर्यदशसं	११. कृष्णवर्णः	१२. कृष्णवर्णः
१३. सिंधुवर्णः	१४. सूर्यकाटिसमं	१५. धूमवर्णः	१६. सूर्यवर्णः
१७. काश्यावर्णः	१८. शनिसेत्रि	१९. शनिसेत्रि	२०. सूर्यवर्णः
२१. कृष्णवर्णः	२२. शनिसेत्रि	२३. धूमवर्णः	२४. सूर्यवर्णः
२५. कृष्णवर्णः	२६. शनिसेत्रि	२७. धूमवर्णः	२८. सूर्यवर्णः
२९. कृष्णवर्णः	३०. शनिसेत्रि	३१. धूमवर्णः	३२. सूर्यवर्णः
३३. कृष्णवर्णः	३४. शनिसेत्रि	३५. धूमवर्णः	३६. सूर्यवर्णः
३७. कृष्णवर्णः	३८. शनिसेत्रि	३९. धूमवर्णः	४०. सूर्यवर्णः
४१. कृष्णवर्णः	४२. शनिसेत्रि	४३. धूमवर्णः	४४. सूर्यवर्णः
४५. कृष्णवर्णः	४६. शनिसेत्रि	४७. धूमवर्णः	४८. सूर्यवर्णः
४९. कृष्णवर्णः	५०. शनिसेत्रि	५१. धूमवर्णः	५२. सूर्यवर्णः
५३. कृष्णवर्णः	५४. शनिसेत्रि	५५. धूमवर्णः	५६. सूर्यवर्णः
५७. कृष्णवर्णः	५८. शनिसेत्रि	५९. धूमवर्णः	६०. सूर्यवर्णः
६१. कृष्णवर्णः	६२. शनिसेत्रि	६३. धूमवर्णः	६४. सूर्यवर्णः
६५. कृष्णवर्णः	६६. शनिसेत्रि	६७. धूमवर्णः	६८. सूर्यवर्णः
६९. कृष्णवर्णः	७०. शनिसेत्रि	७१. धूमवर्णः	७२. सूर्यवर्णः
७३. कृष्णवर्णः	७४. शनिसेत्रि	७५. धूमवर्णः	७६. सूर्यवर्णः
७७. कृष्णवर्णः	७८. शनिसेत्रि	७९. धूमवर्णः	८०. सूर्यवर्णः
८१. कृष्णवर्णः	८२. शनिसेत्रि	८३. धूमवर्णः	८४. सूर्यवर्णः
८५. कृष्णवर्णः	८६. शनिसेत्रि	८७. धूमवर्णः	८८. सूर्यवर्णः
८९. कृष्णवर्णः	९०. शनिसेत्रि	९१. धूमवर्णः	९२. सूर्यवर्णः
९३. कृष्णवर्णः	९४. शनिसेत्रि	९५. धूमवर्णः	९६. सूर्यवर्णः
९७. कृष्णवर्णः	९८. शनिसेत्रि	९९. धूमवर्णः	१००. सूर्यवर्णः

मयीतयैवक. अग्निविद्भैरवः मासमूर्ध्वार्ध
 क. समनरुयका नाग. पश्चात्तावपिभावा
 व. पिभावा नाक साक्षि. ज. लाक. मृकनयनि
 स. रुवास्त्रमान्धाश्चसमानयन सर्वसाधक
 ए. महात्मना॥ मकानस्य रुलंति॥ ॥
 य. भूमव. रुका लाकाटि सहस्रनरुसम
 नकवर्षु सहस्राधिकालासमनरु॥

१५
 १०
 ५
 ०
 ० CMTS. 5 10 15 20 2.5
 रुडं नमानतयाय ॥ ॥ मिमि। मिमि विपनि कथा ॥ ॥ पुनका नं प्रवका मिमि विप
 निप निप कथा ॥ ॥ पुनिकिर्ल रूमि सजलं धान नडयिडा थविप निप निव माया
 नडाडा दानिड थान वानत दकि १ लरु ल थया भानि वीज थिव सि विप ये स पूजा सो
 के भवन धा वलि पाथ यातक बाह रुजन समा स प्रवि तं ताम रुजन तिल पुन के दि
 नथ गरु दान दर्व यं भानि रुया ॥ १ ॥ पुनि विन भाम ल निष्कान ल पाखान धान
 हायिडा खनिडा थविप निप वनूत माया धया रु ल दर्व नाग सर्व हानि थया भानि
 वीज थिव सि विप वनूत नागा पूजा याया जलय रु रु स पाड दान विप अप विमि

ना धा वलि पाथ यातक वं जन वागिका कष भं खन नऊ त य गित वड विम्वरि रु
 आचार्य यात दान वं धन न भानि ॥ २ ॥ पुनि विन द वया मि खान स्वाहिक रुय
 अ थविप निप मृ स माया धया रु ल धान पति मृ स रुय म हा ना गरु य या ना द
 त म रुि रु धया भानि द म का ध वलि विप नी त व ति धा न ती पाथ यातक प्रहा पान
 मिता पूजा याय सु व रू पा रु स घृ त प्रवि तं न व घ त का त वं रुि रु ना वा र्य यात विप
 धन न भानि ॥ ३ ॥ पुनि विन विरु त ल न अ यिडा थविप निप य रु माया ख द रु य
 ल म्नी नाग स फ व र्ध धा भानि पं व ठा कि नि वलि विप रु म्ब ल धा वलि पाथ यातक

15
 10
 स्वर्गदानवियधतनमन्त्रि॥ ४॥ उलिच्छिनया गनीनस वाकसिदायाधविपनि
 तसूर्यमाया धयारुल पूजहानि पिता मनलद नधयारुल धयाभक्ति ग्रहभा
 निवसिविय ग्रहमाह कायाथयातक सर्वलु कर्षकन सूर्यविह नडाग्रहदानवि
 यधतनमन्त्रि॥ ५॥ उलिच्छिनं सामस आदिन पञ्चाङ्गानि नष्टा यडा निनडा यडा
 धविपनि त्रुमाया महामायुनि धयारुल नानावाग जनकया धयाभक्ति न
 दाननका महावसिविय प्रतिसना भानसिपाथयातक लोकधनपूजा सर्वलु
 दानविय धतनमन्त्रि॥ ६॥ उलिच्छिनं सामस आदिनं वायिडा धविपनि त्रु

5
 0
 अग्निमाया धयारुल महानाग मृत्पूरुय अग्निरुय दक्षिनरुल॥ धयारुलभा
 निवसव वडाधिवसिविय प्रसप्तपिव धनसिपाथयातक विनायक पूजा विन्दभक
 र्षक दानदातवायुददान धतनमन्त्रि॥ ७॥ उलिच्छिनं समिसड लासा आ
 दिनं दनिडा धविपनि त्रु नागमाया॥ धयारुल पाथपीथक पूजा धननामपू
 जान रुल॥ धयाभक्ति दशरुत वसिविय वसुधना धनलीपाथयातक धानपू
 जा धान्यविहिदानविय धतनमन्त्रि॥ ८॥ उलिच्छिनं वासाद गृहसं माहयडा
 धविपनि त्रु वन्दमाया धयारुल नागव्याधिनक यडा गृहपति मृत्पूरुय अग्निमपू

नाडनरुलध्यामनि॥ पाठमयागिनीवलिविय, नीतागपपूजा, प्रत्यगिनाधानली
पाथयातकं नऊनद्यतिकर्षकं नवयुविम्वदानविय, धननमनि॥ २ ॥ गुलिचिन्न
अहमदयाडा, खिवानडडाडा, हायूडा, धविपनिग, नाकसमाया, धयारुलकलहइ
यूडा, नानावागइयूडा, धनहानिमरिह॥ ध्यामनिमहावलिविय, सगतवलि, महा
मायुनिधानलीपाथयातकं, महाकावपूजा, नाहाराजन, मासपाड, तामुहाऊनूति
नपाड, गुददाग, व्यंयथागक, सर्वलूदानविय, धननमनि॥ १० ॥ गुलिचिन्नंदव
याकहिन्नूडा, हिखावनूडा, धविपनिग, अस्तमाया, धयारुल, महामायिरुय

मृत्पूरुय॥ लाकअदिकसियूडा, हादगजमरिह॥ ध्यामनिदवपूजा, पणिष्ठा, कार्हि
कावलिविय, पंवरका, पाथयातकं, वेत्यपूजा, मकमूनिपूजा, नाहाराजनस, म
कनपनादानदाग, व्यंआवार्यरिहूयातवियरुला, धननमनि॥ ११ ॥ गुलिचिन्न
खमदलरुडा, नदुआयिडा, धविपनिग, वायूमाया, धयारुल, पनवकरुव, नानाया
धिकननम, दगतरुय, ध्यामनिवरिसयागिनीवलिविय, महामकानूसावलीध
वलीपाथयातकं, लूदवतापूजा, तामुहाऊनपपमान, तीलपूनिग, नवनल
गहदानदाग, व्यंरिहूनावार्ययागवि, धननमनि, इयूडा, रुला॥ १२ ॥

15
 10
 5
 0
 CMTS.

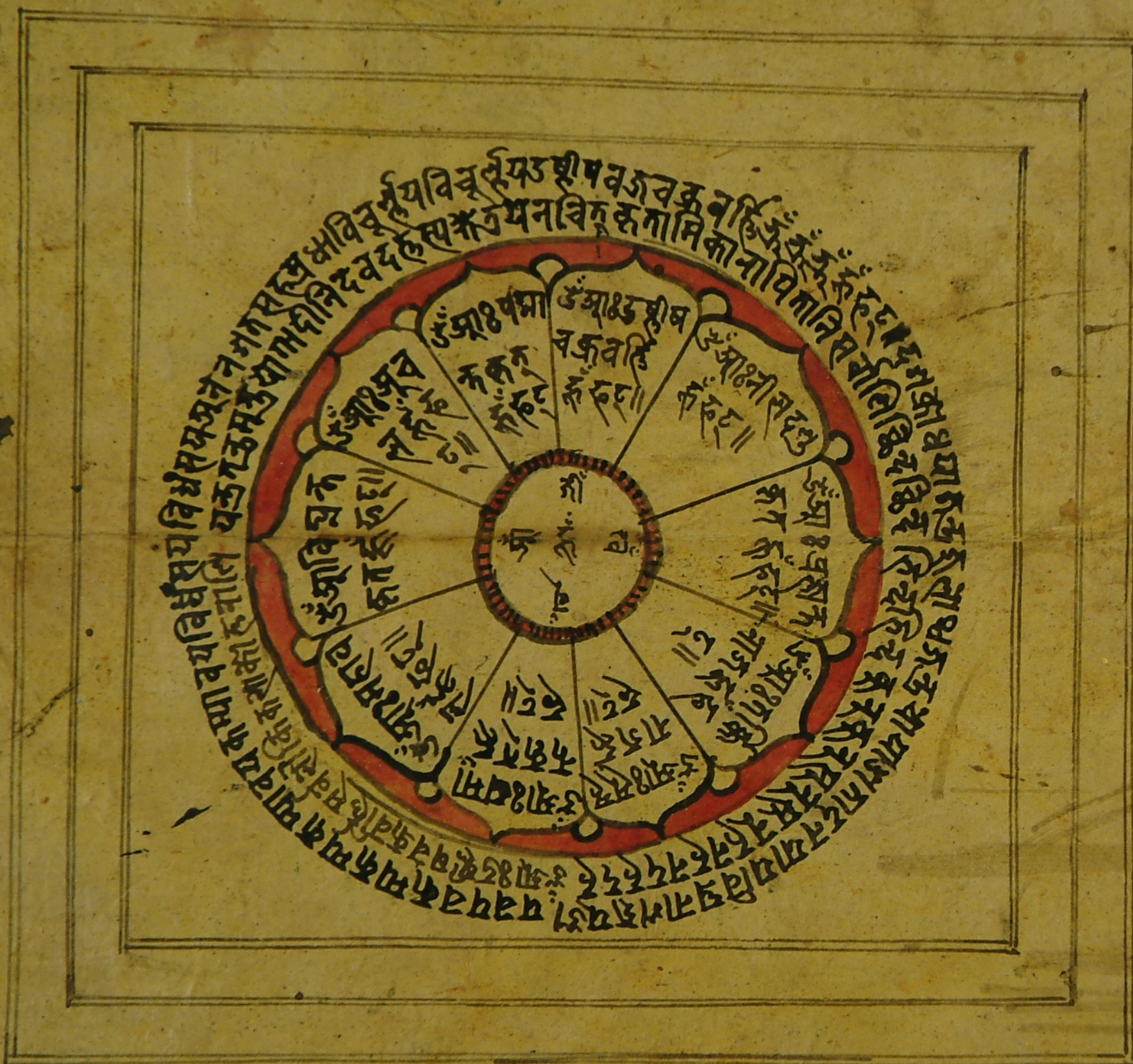
उत्तिष्ठिनगृहकम्यमानश्रूयः। धविपनिगपीतिमाया, धयारुलमाहाभाग, स्तुनया
 ननरुष्टनामरुयभूमानः। धयाभानिदधकाधवलिविध, दसेभानलीपाथयानक
 दानपोनमितापूजायाय, दाननकापतिविम्ब, नरुतेद्यटिकर्षकनगृहदाविध, आ
 वार्ययानधतनभानि॥ १३ ॥ उत्तिष्ठिनंन्याकमदनं, मदकावातकभालेरियः। ध
 विपनिग, ॐस्वमाया धयारुलमृत्पूरुय, कृष्टयागनागश्रूयः। वर्षा, मरिठ, धया
 भानिबडुविगतियागिनीपूजा, वलिविधपहापावमितापाथयानकवेलेपूजा,
 आत्मनका, उन्नआवार्यवकपूजा, राजनयानक॥ धतनभानि॥ १४ ॥ ॐतिविप
 नितलकलभानिस्वस्तिकथासंपूर्णमिति॥ ॥

5
 0
 CMTS.

प्र (मोनि)। गोपुत्रः॥
 द्वि. पावति॥ अमरुवः॥
 रुगलम॥ गोपुत्रः॥
 वसति॥ अमरुवः॥
 वं नो ग॥ गोपुत्रः॥
 वरुमान॥ अमरुवः॥
 सवन्म॥ गोपुत्रः॥
 अ॥ ॐस्व॥ अमरुवः॥
 न॥ इर्म॥ अमरुवः॥
 द॥ अम॥ अमरुवः॥
 न॥ भिव॥ गोपुत्रः॥
 दानाना॥ अमरुवः॥
 न॥ दभदिग॥ विवित्रः॥
 व॥ वरुमान॥ अमरुवः॥
 व॥ वरुमान॥ अमरुवः॥
 विवित्रः॥
 द्वि. ययाग, स्वादूलखभानक
 काकजानक॥

एकम्यनिकामाह ॥ ॥ मालङ्गसा लम्बी लारु ॥ ऊडा क्रसपनङ्गसा ली नारु ॥ खडा
 क्रसपनङ्गसा कनपूयुडा ॥ नेउलिङ्गसा लम्बी लारु ॥ ऊडा मिखाङ्गसा धुन लारु ॥
 खडा मिखाङ्गसा कलहङ्गसा ॥ निपाङ्गसा मङ्गलङ्गसा ॥ कासङ्गसा खलाङ्गसा मृत्पु
 ङ्गसा ॥ मवाकाङ्गसा ॥ ययाययावमुनयदङ्गसा ॥ गलयाङ्गसा मृत्पुङ्गसा ॥ ऊडा
 लाहाङ्गसा लाकयाके मजायाके ऊडा लायुडा ॥ खडा लाहाङ्गसा धनहा निङ्गसा ॥
 ऊडा इङ्गसा कललागङ्गसा ॥ खडा इङ्गसा ममववमृत्पुङ्गसा ॥ नेपाङ्गसा
 ऊनधन लारुदया ॥ खडा इङ्गसा रुमि नारु ॥ चल्याङ्गसा विपहङ्गसा ॥ ऊडा
 नसा कलाग लूमनिडा ॥ ऊडा पुलिङ्गसा विदङ्गसा नमालिडा ॥ खडा पुलिङ्गसा वि

वादङ्गसा ॥ ऊडा इङ्गसा अकालमृत्पुङ्गसा ॥ खडा इङ्गसा विषरुया ॥ ऊडा उथिवाङ्गसा
 सा वागवागा ॥ खडा उथिवाङ्गसा यकवागा ॥ नेउलिङ्गसा मनेसिद्धि ॥ ऊडा यालिङ्ग
 सा विदङ्गसा मला ॥ खडा यालिङ्गसा इङ्गसा मला ॥ ऊडा यालिङ्गसा लखसमृत्पुङ्गसा ॥ खडा
 यालिङ्गसा ध्वानका मृत्पुङ्गसा ॥ ऊडा कालिङ्गसा लीहा रिङ्गसा ॥ वा लाङ्गसा
 धालङ्गसा कदया ॥ धालिङ्गसा वायूरुया ॥ अनामलिङ्गसा महारुया ॥ वालि
 ङ्गसा यककादया ॥ खडा कालिङ्गसा मृत्पुङ्गसा ॥ वालिङ्गसा विवाङ्गसा ॥ द
 धालिङ्गसा मङ्गनागा ॥ ऊडा उलिङ्गसा कलनपूया ॥ वालिङ्गसा ली लारु ॥ ऊडा इ
 लिङ्गसा वागा ॥ खडा इलिङ्गसा इङ्गसा मने ॥ नेउलिङ्गसा लाऊनयदया ॥ ॥ उरुम ॥
 नेत्रस्थाः स्युरागमसकलंगरे भंगहेते नेत्रस्योर्द्वयसि स कलं मानसं दुःखजालं नेत्रप्रान्तभ
 वति च धनं नेत्रकोनचमृत्पुर्वामे चैतत्फलमविकलं दक्षिणे वैपरीत्यं ॥ ॥



15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

25

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ



15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

2.5



15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

2.5



15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

2.5

